This question paper contains 7 printed pages.

299

Your Roll No. ....
आपका अनुक्रमांक

B.A. (Prog.) / I J

(A)

SANSKRIT DISCIPLINE—Paper I

(Poetry, Prose and History of Sanskrit Literature)

(Admissions of 2004/2006 and onwards in respect of Students of regular colleges/NCWEB)

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 75

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

NOTE:— *Unless otherwise required in a question, answers should be given in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

NOTE:— *The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the regular colleges (Cat. 'A'). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of NCWEB at the time of posting of awards for compilation of result.*

P. T. O.

टिप्पणी:— *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।*

1. Explain with reference to the context:

सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए:

<u>तस्य</u> संवृतमन्त्रस्य गूढाकारेङ्गितस्य च।
फलानुमेयाः प्रारम्भाः संस्काराः प्राक्तना इव॥

Or (अथवा)

सोऽहमिज्याविशुद्धात्मा प्रजालोपनिमीलितः।
प्रकाशश्चाप्रकाशश्च लोकालोक इवाचलः॥

Or (अथवा)

लोकान्तरसुखं पुण्यं तपोदानसमुद्भवम्।
संततिः शुद्धवंश्या हि परत्रेह च <u>शर्मणे</u>॥ 5

2. Describe in your own words the journey of King Dilīpa to the hermitage of Sage Vasiṣtha.

गुरु वसिष्ठ के आश्रम की ओर जाते हुए राजा दिलीप की यात्रा का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

Or (अथवा)

Comment on 'उपमा कालिदासस्य'.

उपमा कालिदासस्य— इस कथन की समीक्षा कीजिए। 5

3. Translate any *two* of the following:—

किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए—

(क) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्,
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः।
कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादयेत्,
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्॥

(ख) शक्यो वारयितुं जलेन हुतभुक् छत्रेण सूर्यातपो,
नागेन्द्रो निशिताङ्कुशेन समदो दण्डेन गोगर्दभौ।
व्याधिर्भेषजसंङ्ग्रहैश्च विविधैर्मन्त्रप्रयोगैर्विषं,
सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहितं मूर्खस्य नास्त्यौषधम्॥

(ग) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः,
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्॥

(घ) वरं पक्षच्छेदः समदमघवन्मुक्तकुलिश,
प्रहारैरुद्गच्छद्बहुलदहनोद्गारगुरुभिः।
तुषाराद्रेः सूनोरहह ! पितरि, क्लेशविवशे,
न चासौ सम्पातः पयसि पयसां पत्युरुचितः॥ 6

4. Explain with reference to the context any *one* of the following verses:

निम्नलिखित पद्यों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए

(क) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।
न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि॥

(ख) कुसुमस्तवकस्य द्वयी वृत्तिर्मनस्विनः।
मूर्ध्नि वा सर्वलोकस्य शीर्यते वन एव वा॥

(ग) जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धाः कवीश्वराः।
नास्ति येषां यशःकाये जरामरणजं भयम्॥ 4

5. Account for the case-endings in any *two* of the underlined words in Question Nos. 1 and 3.

प्रश्न संख्या 1 व 3 में रेखाङ्कित किन्हीं दो शब्दों में प्रयुक्त विभक्तियों के कारण बताइए। 2

6. Disjoin the Sandhi in any *three* of the following words:

निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** में सन्धि-विच्छेद कीजिए:

(*i*) परत्रेह

(*ii*) पिबेच्च

(*iii*) नालङ्कृता:

(*iv*) वाण्येव

(*v*) पिपासार्दित:

(*vi*) पक्षच्छेद:

(*vii*) पत्युरुचित: । 3

7. Translate the following:

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए:

स आह! 'भद्रे ममास्ति परमसुहृदकरलमुखो नाम वानर:। स प्रीतिपूर्वकमिमानी फलानि प्रयच्छति।' अथ तयाभिहितम्—'य: सदैवामृतप्रायाणीदृशानि फलानि भक्षयति, तस्य हृदयममृतमयं भविष्यति। तद्यदि भार्यया ते प्रयोजनम्, ततस्तस्य हृदयं मह्यम् प्रयच्छ। येन तद्भक्षयित्वा जरामरणरहिता त्वया सह भोगान्भुञ्ज्मि! स आह 'भद्रे! मा मैवं वद। यत: स प्रतिपन्नोऽस्माकं भ्राता। अपर फलदाता। तत्त्यजैनं मिथ्याग्रहणम्'॥

Or (अथवा)

कस्मिंश्चित्कूपे गङ्गदत्तो नाम मण्डूकराजः प्रतिवसति स्म। स कदाचिद्दायादैरूद्वेजितोऽरघट्टघटीमारुह्य निष्क्रान्तः।

अथ तेन चिन्तितम् 'यत्कथं तेषां दायादानां मया प्रत्यपकारः कर्त्तव्यः।' एवं विभाव्य स बिलद्वारं गत्वा कृष्णसर्पमपश्यत्। तमाहूतवान्— 'एह्येहि प्रियदर्शन' एहि। तच्छ्रुत्वा सर्पश्चिन्तयामास— य एवं मामाह्वयति, स्वजातीयो न भवति। यतो नैषा सर्पवाणी॥ 4

8. Translate any *two* with reference to the context:

किन्हीं दो श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद कीजिए:

(*i*) एतां वचनादिष्टं मदेन न करोति यः,
स विनाशमवाप्नोति घण्टोष्ट्र इव सत्वरम्॥

(*ii*) बुभुक्षितः किं न करोति पापं क्षीणा जना निष्करुणा भवन्ति,
आख्याहि भद्रे! प्रियदर्शनस्य न गङ्गदत्तः पुनरेति कूपम्॥

(*iii*) यस्य न ज्ञायते शीलं न कुलं न संश्रयः,
न तेन सङ्गतिं कुर्यादित्युवाच बृहस्पतिः॥

(*iv*) अकृत्यं नैव कर्त्तव्यं प्राणत्यागेऽपि संस्थिते,
न च कृत्यं परित्याज्यमेष धर्मः सनातनः॥ 4

9. Write the summary and the moral of any *one* of the following stories:

निम्नलिखित कथाओं में से किसी एक का शिक्षा सहित सार प्रस्तुत कीजिए:

(*i*) नन्दवररुचि—कथा

(*ii*) हालिकवधू—कथा

(*iii*) महाचतुरशृगाल–कथा। 5

10. Answer the following questions in Sanskrit on the basic of texts given in Q. No. 7.

प्रश्न संख्या 7 में विद्यमान गद्यांशों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर *संस्कृत में* लिखिए:

(*i*) वानरस्य किं नाम अस्ति?

(*ii*) तया किं अभिहितम्?

(*iii*) गङ्गदत्तः कुत्र प्रतिवसति स्म?

(*iv*) सः किमारुह्य निष्क्रान्तः? 4

11. Write short notes on the following:

निम्न पर टिप्पणी कीजिए:

युधिष्ठिरः **अथवा** घण्टोष्ट्रः।

वैश्वदेवकर्म **अथवा** श्राद्धकर्म। 4

12. Account for the case-endings in any *two* of the underlined words in Question Nos. 7 & 8.

प्रश्न संख्या 7 एवं 8 में रेखांकित शब्दों में प्रयुक्त किन्हीं दो विभक्तियों के कारण बताइये। 2

13. Disjoin the Sandhi in any *four* of the following words:

निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं चार में सन्धि-विच्छेद कीजिए:

(*i*) ममास्ति

(*ii*) तयाभिहितम्

(*iii*) तद्यदि

(*iv*) नैषा

(*v*) पुनरेति

(*vi*) प्राणत्यागेऽपि । 2

14. (*a*) Attempt any *one* of the following questions:

निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए:

Give an account of the important Mahākāvyas of Sanskrit literature.

संस्कृत साहित्य के प्रमुख महाकाव्यों पर निबन्ध लिखिए।

Or (अथवा)

Write an essay on Prose-Romances of Sanskrit literature.

संस्कृत-साहित्य के गद्य-काव्यों पर निबन्ध लिखिए। 10

(*b*) Write short notes on any *three* of the following:

निम्न में से किन्हीं तीन पर लघु टिप्पणी कीजिए:

मेघदूतम्, भर्तृहरिः, गीतगोविन्दम्, कालिदासः, सुबन्धुः । 15

★